Model Lesson Plan

Subject: Philosophy **Topic: Nature of Philosophy**
Class: 12th **Duration: 40 Minutes**

Learning Outcomes:

Using philosophical methods, students will be able to:

- Justify their own considered beliefs and values.
- Interpret difficult and complex philosophical texts.
- Critique the arguments of others, fairly and respectfully.

Learning Objectives:

General Objective:

- The most important reason to study philosophy is that it is of enormous and enduring interest. All of us have to answer, for ourselves, the questions asked by philosophers. In this department, students can learn how to ask the questions well, and how we might begin to develop responses. Philosophy is important, but it is also enormously.

Specific Objective:

- Students give accurate and relevant answers, complete with supporting details, to specific questions about philosophical ideas relevant to the Topic.
- Students read analytically, critically, and empathetically.
- Students understand major philosophical ideas accurately.

Learning Resources:

- Blackboard
- Chalk and Duster
- Books
- Online Quiz and Tests

Method of Teaching:

- Interactive Lecture Method
- Discussion Method
- Explanation Method
- Questioning Techniques

Previous Knowledge Testing:

- What Is Philosophy - Philosophy is a way of thinking about certain subjects such as ethics, thought, existence, time, meaning and value.
- Meaning of Philosophy - The term 'philosophy' literally means' 'love of wisdom' or pursuit of knowledge.
- Types of Philosophy - There are various types of philosophy. Some are considered major branches of philosophy. Other types include Rationalism, Empiricism, Cumulative arguments, and more.

Presentation:

Teaching Points	**Students Teacher Activity**	**Students Activity**	**Black Board**
Definition of Philosophy Types of Philosophy	The study of the nature, causes, or principles of reality, knowledge, or values, based on logical reasoning. In the context of Indian ideology, there are two types of philosophy, theists and atheists, and in the context of Western ideology, there are five types of philosophy, Epistemology, Metaphysics, Logic, Ethics and Aesthetics.	The students listened carefully to the lesson.	Write the definition and types of philosophy on the black board.

Recapturization of Lesson:

- In the end, the lesson was revised and the students were asked questions related to it. All the students showed interest and answered all the questions correctly.

Home Work:

- Read this topic two times.
- Read next topic once.

Write following questions in your note book.

1. Explain the meaning and Nature of the Philosophy.

2. Explain the difference between Theism and Atheism.

<u>मॉडल पाठ योजना</u>

विषयः दर्शनशास्त्र **पाठ: दर्शनशास्त्र का स्वरूप**

कक्षा: 12 वीं **समय: 40 मिनट**

<u>अधिगम प्रतिफल:</u>

दार्शनिक तरीकों का उपयोग करके, छात्र सक्षम होंगे:

- अपने स्वयं के विचार और मूल्यों को सही ठहराने में।
- कठिन और जटिल दार्शनिक ग्रंथों की व्याख्या करने में।
- दूसरों के तर्कों की निष्पक्ष और सम्मानपूर्वक आलोचना करने में।

<u>अधिगम के उद्देश्य:</u>

<u>सामान्य उद्देश्य:</u>

- दर्शन का अध्ययन करने का सबसे महत्वपूर्ण कारण यह है कि यह अत्यधिक और स्थायी रुचि का विषय है।
- हम सभी को अपने लिए, दार्शनिकों द्वारा पूछे गए सवालों का जवाब देना होगा।
- इससे छात्र सीख सकते हैं कि प्रश्नों को अच्छी तरह से कैसे पूछा जाए और हम कैसे प्रतिक्रियाओं को विकसित करना शुरू कर सकते हैं।

<u>विशिष्ट उद्देश्य:</u>

- विषय से संबंधित दार्शनिक विचारों के बारे में विशिष्ट प्रश्नों के लिए छात्र सटीक और प्रासंगिक उत्तर देते हैं, समर्थन विवरण के साथ पूरा करते हैं।
- छात्र विश्लेषणात्मक, आलोचनात्मक और सहानुभूतिपूर्वक पढ़ते हैं।
- छात्र प्रमुख दार्शनिक विचारों को सटीक रूप से समझते हैं।

<u>अधिगम के संसाधन:</u>

- ब्लैकबोर्ड
- चाक और डस्टर
- पुस्तकें
- ऑनलाइन प्रश्नोत्तरी और परीक्षण

<u>शिक्षण की विधि:</u>

- सहभागी व्याख्यान विधि
- चर्चा पद्धति

- स्पष्टीकरण विधि
- पूछताछ तकनीक

<u>पूर्व ज्ञान परीक्षण:</u>

- दर्शनशास्त्र क्या है - दर्शनशास्त्र कुछ विषयों जैसे - नैतिकता, विचार, अस्तित्व, समय, अर्थ और मूल्य के बारे में सोचने का एक तरीका है।
- दर्शनशास्त्र का अर्थ - 'दर्शन' शब्द का शाब्दिक अर्थ है 'बुद्धि से प्रेम' या ज्ञान से प्रेम।
- दर्शनशास्त्र के प्रकार - दर्शन कई प्रकार के होते हैं। कुछ को दर्शनशास्त्र की प्रमुख शाखाएँ माना जाता है। अन्य प्रकारों में तर्कवाद, अनुभववाद, संचयी तर्क, और बहुत कुछ शामिल हैं।

<u>प्रस्तुतिकरण:</u>

शिक्षण कार्य	**शिक्षक गतिविधि**	**छात्र गतिविधि**	**श्यामपट्ट**
दर्शनशास्त्र की परिभाषा	तार्किक तर्क के आधार पर वास्तविकता, ज्ञान या मूल्यों की प्रकृति, कारणों या सिद्धांतों का अध्ययन।	छात्रों ने पाठ को ध्यानपूर्वक सुना।	श्यामपट्ट पर दर्शनशास्त्र की परिभाषा और प्रकारों को लिखा।
दर्शनशास्त्र के प्रकार	भारतीय विचारधारा के संदर्भ में दर्शनशास्त्र, आस्तिक और नास्तिक दो प्रकार का है और पाश्चात्य विचारधारा के संदर्भ में दर्शनशास्त्र, ज्ञानमीमांसा, तत्वमीमांसा, तर्कशास्त्र, नीतिशास्त्र और सौंदर्यशास्त्र पांच प्रकार का है।		

<u>पाठ की पुनरावृति:</u>

- अंत में पाठ की पुनरावृति कराई गई और छात्रों से इसके संबंध में प्रश्न भी पूछे गए। सभी छात्रों ने रुचि दिखाते हुए सभी प्रश्नों के सही उत्तर दिए।

<u>गृहकार्य:</u>

- इस विषय को दो बार पढ़ें।
- अगला विषय एक बार पढ़ें।

निम्नलिखित प्रश्नों को अपनी कॉपी में लिखिए।

1. दर्शन के अर्थ और प्रकृति की व्याख्या कीजिए।
2. आस्तिकता और नास्तिकता के बीच अंतर स्पष्ट कीजिए।